चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 12 मई 2026, अंक –277.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

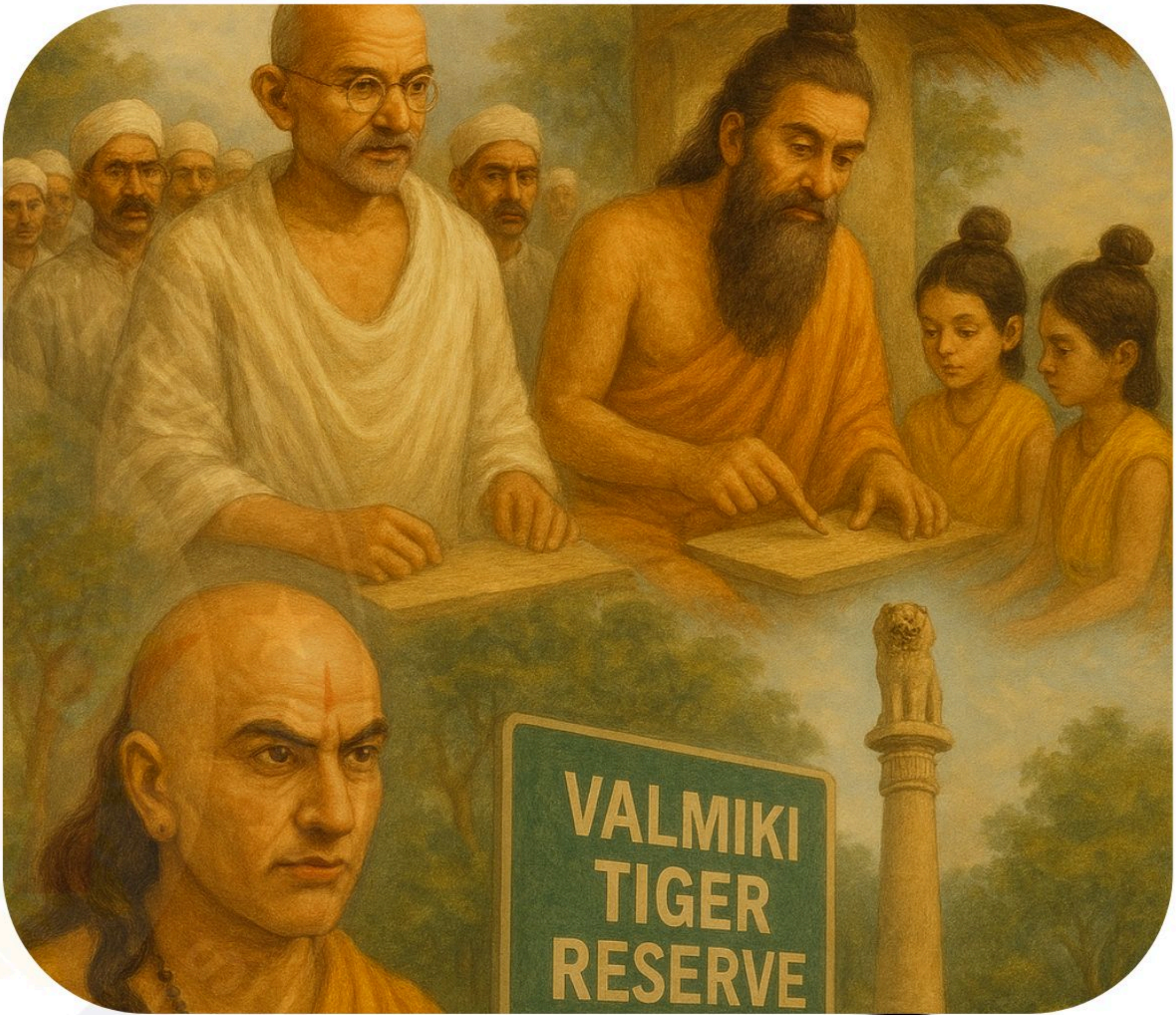

"यदि आप उड़ नहीं सकते तो दौड़ो, दौड़ नहीं सकते तो चलो, चल नहीं सकते तो रेंगो, पर आगे बढ़ते रहो।"
— मार्टिन लूथर किंग जूनियर

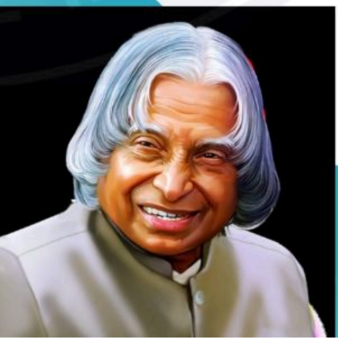

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Tuesday Prayer

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

सागर से उठा बादल बनके,
बादल से फटा जल हो करके।
फिर नहर बना नदियाँ गहरी,
तेरे भिन्न प्रकार, तू एक ही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

चींटी से भी अणु-परमाणु बना,
सब जीव-जगत् का रूप लिया।
कहीं पर्वत-वृक्ष विशाल बना,
सौंदर्य तेरा, तू एक ही है ॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

यह दिव्य दिखाया है जिसने,
वह है गुरुदेव की पूर्ण दया।
तुकड़िया कहे कोई न और दिखा,
बस मैं अरु तू सब एकही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. नेपाल की मुद्रा क्या कहलाती है?
उत्तर: नेपाली रुपया
प्रश्न 2. भारत के पहले सूचना एवं प्रसारण मंत्री कौन थे?
उत्तर: सरदार वल्लभभाई पटेल
प्रश्न 3. 'सांगाई उत्सव' किस राज्य में मनाया जाता है?
उत्तर: मणिपुर
प्रश्न 4. 225 का वर्गमूल क्या है?
उत्तर: 15
प्रश्न 5. बिहार में प्रसिद्ध 'विष्णुपद मंदिर' किस शहर में स्थित है?
उत्तर: गया
प्रश्न 6. इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: छत्तीसगढ़
प्रश्न 7. पनडुब्बी (Submarine) का प्रारम्भिक मॉडल किसने बनाया था?
उत्तर: कॉर्नेलिस ड्रेब्बल
प्रश्न 8. भारत के संविधान में मौलिक अधिकार किस भाग में वर्णित हैं?
उत्तर: भाग 3
प्रश्न 9. 'कमल' शब्द किस प्रकार की संज्ञा है?
उत्तर: जातिवाचक
प्रश्न 10: प्रकाश की गति (Speed of Light) निर्वात में लगभग कितनी होती है?
उत्तर: 3,00,000 किलोमीटर प्रति सेकंड

संकलन:-
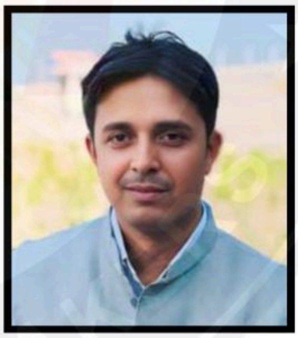
पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1. Clock – (क्लॉक) – घड़ी
2. Calendar – (कैलेंडर) – कैलेंडर
3. Morning – (मॉर्निंग) – सुबह
4. Evening – (ईवनिंग) – शाम
5. Night – (नाइट) – रात
6. Holiday – (हॉलिडे) – अवकाश
7. Festival – (फेस्टिवल) – त्योहार

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "वे ... नहीं रहे/रही हैं" (They are not ...ing)

वे पढ़ नहीं रहे हैं। – They are not reading.
वे लिख नहीं रहे हैं। – They are not writing.
वे खेल नहीं रहे हैं। – They are not playing.
वे खा नहीं रहे हैं। – They are not eating.
वे सीख नहीं रहे हैं। – They are not learning.

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटोहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. 12 मई को विश्व स्तर पर किस महान परिचारिका (Nurse) की याद में 'अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस' मनाया जाता है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: फ्लोरेंस नाइटिंगेल
व्याख्या: आधुनिक नर्सिंग की संस्थापक फ्लोरेंस नाइटिंगेल के जन्मदिन पर प्रतिवर्ष यह दिवस मनाया जाता है। उन्हें 'लेडी विद द लैंप' के नाम से भी जाना जाता है। यह दिवस स्वास्थ्य सेवा में नर्सों के निस्वार्थ योगदान और समर्पण को सम्मानित करने के लिए समर्पित है।
संदर्भ: World Health Organization (WHO), 2026.

2. हाल ही में 'एशियाई विकास बैंक' (ADB) ने भारत के किस बुनियादी ढांचा परियोजना के लिए 500 मिलियन डॉलर के ऋण को मंजूरी दी है? (समसामयिकी)
उत्तर: दिल्ली-मेरठ RRTS
व्याख्या: मई 2026 में ADB ने दिल्ली-मेरठ रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (RRTS) के विकास के लिए बड़ी वित्तीय सहायता की घोषणा की है। यह परियोजना शहरी परिवहन को तेज और प्रदूषण मुक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
संदर्भ: Asian Development Bank News, May 2026.

3. प्रसिद्ध तमिल महाकाव्य 'शिल्पादिकारम' की रचना किस कवि ने की थी? (पुस्तक - लेखक)
उत्तर: इलांगो अडिगल
व्याख्या: लगभग 1800 वर्ष पूर्व रचित 'शिल्पादिकारम' संगम साहित्य का सबसे महत्वपूर्ण महाकाव्य है। यह कोवलन और कन्नगी की प्रसिद्ध कहानी कहता है। दक्षिण भारतीय इतिहास और संस्कृति को समझने के लिए यह पुस्तक एक अनिवार्य ऐतिहासिक स्रोत है।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 11 Buildings, Paintings and Books, p. 118.

4. पृथ्वी के चारों ओर वायुमंडल की कितनी प्रमुख परतें (Layers) पाई जाती हैं? (पर्यावरण)
उत्तर: पाँच (5)
व्याख्या: हमारा वायुमंडल पाँच परतों में विभाजित है: क्षोभमंडल, समतापमंडल, मध्यमंडल, बाह्य वायुमंडल और बहिर्मंडल। ये परतें सतह से शुरू होकर अंतरिक्ष तक फैली हैं और पृथ्वी पर तापमान और मौसम को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।
संदर्भ: NCERT Class 6 Geography, Ch 5 Major Domains of the Earth, p. 35.

5. प्राचीन भारत में 'अग्रहार' (Agrahara) शब्द का प्रयोग किसके लिए किया जाता था? (इतिहास)
उत्तर: ब्राह्मणों को दान दी गई भूमि
व्याख्या: गुप्त काल और उसके बाद के समय में राजाओं द्वारा ब्राह्मणों को जो भूमि दान दी जाती थी, उसे 'अग्रहार' कहा जाता था। यह भूमि कर-मुक्त (Tax-free) होती थी और इसका उपयोग धार्मिक एवं शैक्षणिक कार्यों के लिए किया जाता था।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 10 New Empires and Kingdoms, p. 106.

6. 'एंडीज' (Andes) पर्वत श्रृंखला, जो विश्व की सबसे लंबी पर्वत श्रृंखला है, किस महाद्वीप में स्थित है? (भूगोल)
उत्तर: दक्षिण अमेरिका
व्याख्या: दक्षिण अमेरिका के पश्चिमी भाग में उत्तर से दक्षिण की ओर फैली एंडीज पर्वतमाला विश्व की सबसे लंबी पर्वत श्रृंखला है। इसी महाद्वीप में अमेज़न नदी भी बहती है, जो पानी के आयतन की दृष्टि से विश्व की सबसे बड़ी नदी है।
संदर्भ: NCERT Class 6 Geography, Ch 5 Major Domains of the Earth, p. 33.

7. भारतीय संविधान में 'राष्ट्रपति' पद की योग्यता हेतु न्यूनतम आयु कितनी निर्धारित है? (संविधान)
उत्तर: 35 वर्ष
व्याख्या: भारतीय संविधान के अनुसार, राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार होने के लिए भारत का नागरिक होना और कम से कम 35 वर्ष की आयु पूरी करना अनिवार्य है। यह भारत का सर्वोच्च संवैधानिक पद है और राष्ट्रपति सशस्त्र सेनाओं का सर्वोच्च सेनापति भी होता है।
संदर्भ: NCERT Class 8 Civics, Ch 3 Why do we need a Parliament? (Constitutional context).

8. 'इंसुलिन' (Insulin) नामक हार्मोन का स्रवण शरीर के किस अंग द्वारा किया जाता है? (विज्ञान)
उत्तर: अग्न्याशय (Pancreas)
व्याख्या: अग्न्याशय एक ग्रंथि है जो इंसुलिन हार्मोन बनाती है। इंसुलिन हमारे रक्त में शर्करा (Sugar) की मात्रा को नियंत्रित करता है। इसकी कमी से 'मधुमेह' (Diabetes) नामक रोग हो जाता है। यह मानव पाचन और अंतःस्रावी तंत्र का एक मुख्य हिस्सा है।
संदर्भ: NCERT Class 7 Science, Ch 2 Nutrition in Animals, p. 13.

9. 'बामियान' की बुद्ध प्रतिमाएं, जो चर्चा में रहती हैं, किस देश में स्थित थीं? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: अफगानिस्तान
व्याख्या: अफगानिस्तान की बामियान घाटी में चट्टानों को काटकर बनाई गई ये बुद्ध की विशाल प्रतिमाएं गांधार कला का अद्भुत नमूना थीं। हालाँकि इन्हें नष्ट कर दिया गया, लेकिन ये रेशम मार्ग (Silk Route) पर सांस्कृतिक आदान-प्रदान का ऐतिहासिक प्रतीक रही हैं।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 9 Vital Villages, Thriving Towns (Cultural box).

10. बिहार के किस स्थान को 'रामायण सर्किट' के तहत सीता जी के जन्मस्थान के रूप में विकसित किया जा रहा है? (बिहार GK)
उत्तर: पुनौरा धाम (सीतामढ़ी)
व्याख्या: सीतामढ़ी जिले का पुनौरा धाम माता सीता की जन्मस्थली माना जाता है। भारत सरकार के स्वदेश दर्शन योजना के तहत इसे रामायण सर्किट में शामिल किया गया है। यह बिहार के आध्यात्मिक पर्यटन और सांस्कृतिक इतिहास का एक प्रमुख केंद्र है।
संदर्भ: Bihar Tourism Policy; NCERT General Awareness.

"सामान्य-ज्ञान"

11. सुरक्षित शनिवार के अनुसार, लू (Heatwave) लगने पर प्राथमिक उपचार हेतु कौन सा घोल तुरंत पिलाना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा)
उत्तर: ओआरएस (ORS) घोल
व्याख्या: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम (मई माह) के अनुसार, लू लगने पर शरीर में पानी और लवण की भारी कमी हो जाती है। ऐसी स्थिति में ओआरएस (ORS) या नींबू-पानी का घोल पिलाना चाहिए। यह शरीर को पुनर्जलयोजित (Rehydrate) करने का सबसे प्रभावी और त्वरित उपाय है। घरेलू नुस्खा में आम का पन्ना भी बहुत उपयोगी माना जाता है।
संदर्भ: आपदा जोखिम न्यूनीकरण कैलेंडर 2026, बिहार सरकार।

12. एक टोकरी में 12 अंडे हैं। यदि आप 4 अंडे तोड़ते हैं, 4 अंडे पकाते हैं और 4 अंडे खाते हैं, तो अब टोकरी में कितने अंडे साबुत बचे हैं? (रीजनिंग)
उत्तर: आठ (8)
व्याख्या: यह एकाग्रता का प्रश्न है। आपने कुल 4 अंडे तोड़े, उन्हीं 4 को पकाया और उन्हीं 4 को खाया। अत: कुल 12 अंडों में से केवल 4 अंडे ही इस्तेमाल हुए। इसलिए 12 - 4 = 8 अंडे अभी भी टोकरी में साबुत बचे हैं।
संदर्भ: Logical Reasoning for Junior Students (2026).

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Kindred (किंड्रेड) = Similar (सिमिलर) = समान / सजातीय
Antonym – Different (डिफरेंट) = भिन्न
Lavish (लैविश) = Extravagant (एक्स्ट्रावेगन्ट) = भव्य / खर्चीला
Antonym – Simple (सिम्पल) = साधारण
Mandatory (मैंडेटरी) = Obligatory (ऑब्लिगेटरी) = अनिवार्य
Antonym – Voluntary (वॉलन्टरी) = स्वैच्छिक
Naive (नाइव) = Innocent (इनोसेंट) = भोला / अनुभवहीन
Antonym – Experienced (एक्सपीरियन्स्ड) = अनुभवी
Optimistic (ऑप्टिमिस्टिक) = Hopeful (होपफुल) = आशावादी
Antonym – Pessimistic (पेसिमिस्टिक) = निराशावादी

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

India launches 'Project Akash-Ganga'; first indigenous Atmospheric Water Generator (AWG) network to be installed in 500 railway stations.
भारत ने 'प्रोजेक्ट आकाश-गंगा' शुरू किया; 500 रेलवे स्टेशनों पर हवा से पानी बनाने वाले पहले स्वदेशी 'एटमॉस्फेरिक वाटर जनरेटर' नेटवर्क की स्थापना की जाएगी।

Ministry of Earth Sciences discovers 'Lithium-Rich Brine' deposits in Rajasthan's Sambhar Lake; major boost for India's EV battery self-reliance.
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने राजस्थान की सांभर झील में 'लिथियम-रिच ब्राइन' भंडार की खोज की; भारत की ईवी बैटरी आत्मनिर्भरता के लिए बड़ी सफलता।

NCERT introduces 'AI-Ethics and Cyber Law' as a mandatory foundation course for Classes 9-12 starting from Academic Session 2026-27.
एनसीईआरटी ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कक्षा 9-12 के लिए 'एआई-एथिक्स और साइबर कानून' को एक अनिवार्य फाउंडेशन कोर्स के रूप में शामिल किया।

INTERNATIONAL NEWS

UN Ocean Treaty 2026 comes into force; 60% of high seas declared 'Protected Zones' to curb deep-sea mining and overfishing.
यूएन महासागर संधि 2026 लागू हुई; गहरे समुद्र में खनन और अत्यधिक मछली पकड़ने पर रोक लगाने के लिए 60% उच्च समुद्र को 'संरक्षित क्षेत्र' घोषित किया गया।

BBC Report: Researchers in Oxford achieve 'Room-Temperature Superconductivity' using new carbon-lattice structure; potential to revolutionize power grids.
बीबीसी रिपोर्ट: ऑक्सफोर्ड के शोधकर्ताओं ने नए कार्बन-लैटिस ढांचे का उपयोग कर 'रूम-टेंपरेचर सुपरकंडक्टिविटी' हासिल की; बिजली ग्रिड में क्रांति लाने की क्षमता।

WHO pre-qualifies 'Mosquirix-Next', a high-efficacy malaria vaccine developed by Indian and African scientists for global distribution.
डब्ल्यूएचओ ने भारतीय और अफ्रीकी वैज्ञानिकों द्वारा विकसित उच्च प्रभावकारिता वाले मलेरिया टीके 'मोस्किरिक्स-नेक्स्ट' को वैश्विक वितरण के लिए मंजूरी दी।

BIHAR NEWS

Bihar Government to establish 'Dolphin Conservation & Research Centre' in Munger; focus on breeding studies of the Gangetic Dolphin.
बिहार सरकार मुंगेर में 'डॉल्फिन संरक्षण एवं अनुसंधान केंद्र' स्थापित करेगी; गांगेय डॉल्फिन के प्रजनन और संरक्षण पर विशेष अध्ययन किया जाएगा।

SCERT Bihar launches 'Bhasha-Setu' app to provide digital learning material in Maithili, Magahi, and Bhojpuri for primary students.
एससीईआरटी बिहार ने प्राथमिक छात्रों के लिए मैथिली, मगही और भोजपुरी में डिजिटल शिक्षण सामग्री प्रदान करने हेतु 'भाषा-सेतु' ऐप लॉन्च किया।

SPORTS NEWS

Indian Javelin Thrower Neeraj Chopra clinches Gold at Doha Diamond League 2026; sets a new personal best of 90.15m.
भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने दोहा डायमंड लीग 2026 में स्वर्ण पदक जीता; 90.15 मीटर के नए व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ इतिहास रचा।

FIFA introduces 'Blue Card' system in trial phase during Under-20 World Cup to penalize tactical fouls and dissent.
फीफा ने सामरिक फाउल और असहमति को रोकने के लिए अंडर-20 विश्व कप के दौरान ट्रायल चरण में 'ब्लू कार्ड' प्रणाली की शुरुआत की।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

✍️ संदेश:

"ज्ञान पुराना हो सकता है, लेकिन सूचना हमेशा ताज़ा होनी चाहिए। निरंतर सुधार ही सफलता का मार्ग है।"

प्रेरक प्रसंग

"सेवा की ज्योति"

विद्यालय की प्रार्थना सभा में आज चर्चा का विषय था—सेवा, करुणा और मानवता। सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे थे।

मैडम जी ने बच्चों से पूछा—

"बच्चों, क्या केवल दवा देने से ही कोई व्यक्ति स्वस्थ हो जाता है?"

कुछ बच्चों ने कहा—"नहीं, देखभाल और स्नेह भी जरूरी है।"

मैडम जी मुस्कुराईं और बोलीं—

"बिल्कुल सही। इसी कारण नर्सों को सेवा और करुणा की प्रतिमूर्ति कहा जाता है।"

फिर उन्होंने आधुनिक नर्सिंग की जनक Florence Nightingale की कहानी सुनाई।

फ्लोरेंस नाइटिंगेल बचपन से ही दूसरों की सेवा करना चाहती थीं। उस समय नर्स का कार्य आसान नहीं माना जाता था, लेकिन उन्होंने समाज की परवाह किए बिना अपना लक्ष्य चुना। युद्ध के दौरान वे घायल सैनिकों की रात-दिन सेवा करती थीं। वे हाथ में दीपक लेकर रात में भी मरीजों का हाल पूछती थीं। इसी कारण उन्हें "दीपक वाली महिला" कहा गया।

उनकी सेवा और समर्पण से हजारों लोगों को नया जीवन मिला। उन्होंने दुनिया को दिखाया कि सच्ची महानता दूसरों की पीड़ा को कम करने में है।

मैडम जी ने कहा—

"बच्चों, सेवा केवल अस्पताल में ही नहीं होती। घर, स्कूल और समाज में भी हम प्रेम, सहानुभूति और सहयोग से दूसरों की मदद कर सकते हैं।"

सभा के अंत में सभी छात्रों ने संकल्प लिया—

"हम दूसरों की मदद करेंगे और मानवता की सेवा को अपना आदर्श बनाएँगे।"

संदेश : "जहाँ करुणा और सेवा का दीप जलता है, वहाँ आशा और जीवन की रोशनी फैलती है।"

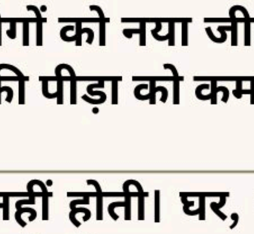

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

शिक्षक की नई भूमिका और CPD — एक 'सिखाने वाले' से 'सीखने वाले' तक का सफर

शिक्षक साथियों, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) केवल बच्चों के लिए नहीं बदली है, बल्कि इसने शिक्षक की परिभाषा को भी पुनर्गठित किया है। अब शिक्षक केवल ज्ञान का 'दाता' (Giver) नहीं है, बल्कि वह एक 'सुगमकर्ता' (Facilitator), एक 'मार्गदर्शक' (Mentor) और सबसे महत्वपूर्ण बात—एक 'आजीवन शिक्षार्थी' (Lifelong Learner) है। आज के सूचना क्रांति के युग में, जहाँ ज्ञान एक क्लिक पर उपलब्ध है, शिक्षक की असली भूमिका बच्चे को उस ज्ञान का सही उपयोग करना, उसमें नैतिकता जोड़ना और उसे जीवन कौशलों में बदलना सिखाना है।

इस नई भूमिका में खुद को ढालने के लिए NEP 2020 ने CPD (Continuous Professional Development) यानी 'सतत व्यावसायिक विकास' पर बहुत जोर दिया है। इसके तहत प्रत्येक शिक्षक के लिए प्रतिवर्ष कम से कम 50 घंटे का व्यावसायिक विकास कार्यक्रम पूरा करना अनिवार्य और आवश्यक है। यह केवल एक औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह हमारे भीतर की उस 'जिज्ञासा' को जीवित रखने का तरीका है जो हमें अपने छात्रों के साथ अपडेट रखती है। इसमें शिक्षण शास्त्र, तकनीक का उपयोग (ICT), समावेशी शिक्षा और कार्यशालाओं के माध्यम से स्वयं को बेहतर बनाना शामिल है।

उदाहरण:

इसे एक व्यावहारिक स्थिति से समझते हैं। कल्पना कीजिए, एक वरिष्ठ शिक्षक हैं जो पिछले 20 वर्षों से एक ही ढर्रे पर 'प्रकाश संश्लेषण' (Photosynthesis) पढ़ाते आ रहे हैं। लेकिन अब, CPD और नई तकनीक के माध्यम से उन्होंने सीखा कि कैसे एक साधारण मोबाइल ऐप या 'वर्चुअल लैब' के जरिए बच्चों को पत्तियों के भीतर क्लोरोफिल की कार्यप्रणाली को 'थ्री-डी' (3D) में दिखाया जा सकता है।

जब वे इस नए तरीके से कक्षा में जाते हैं, तो न केवल बच्चों की दिलचस्पी बढ़ती है, बल्कि शिक्षक के भीतर भी एक नया उत्साह पैदा होता है। यहाँ शिक्षक ने केवल 'पढ़ाया' नहीं, बल्कि समय के साथ अपनी 'शिक्षण कला' को संवर्धित (Upgrade) किया। यही CPD का असली उद्देश्य है—अपनी धार को कुंद न होने देना। जब शिक्षक खुद को अपडेट रखता है, तो वह छात्रों के लिए एक 'जीवंत उदाहरण' बन जाता है।

शिक्षक साथियों, अब मूल्यांकन केवल छात्रों का नहीं, बल्कि हमारा भी होगा, जिसे NPST (National Professional Standards for Teachers) के माध्यम से तय किया जा रहा है। यह मानक हमें यह समझने में मदद करेंगे कि एक 'प्रभावी शिक्षक' के रूप में हमें किन क्षेत्रों में और सुधार की आवश्यकता है। हमारा पेशा दुनिया का एकमात्र ऐसा पेशा है जहाँ हम दूसरों का भविष्य बनाते-बनाते हर दिन खुद को भी नया रूप देते हैं।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि एक शिक्षक तब तक प्रभावी ढंग से नहीं पढ़ा सकता, जब तक वह खुद पढ़ना न छोड़ दे। हमारा संवर्धन ही हमारे छात्रों का संवर्धन है। आज चिंतन कीजिएगा कि पिछले एक साल में आपने ऐसी कौन सी नई तकनीक या शिक्षण विधि सीखी है जिसने आपकी कक्षा को और अधिक जीवंत बना दिया? क्या आप साल के उन 50 घंटों को अपनी 'ऊर्जा' बढ़ाने के अवसर के रूप में देख रहे हैं?

..................🙏

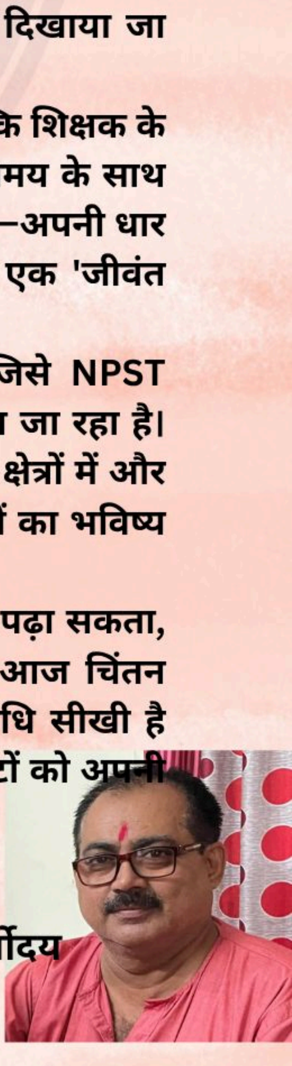

मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

संडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है।

चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

---

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयाह से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक,

> सरकारी विद्यालयो मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार-दर्शन"

"हिमालय की गोद और गांधी की कर्मभूमि: एक परिचय" (पश्चिमी चंपारण)

'संपादकीय'✍️

बिहार के उत्तर-पश्चिमी छोर पर स्थित पश्चिम चंपारण केवल एक जिला नहीं, बल्कि भारतीय उपमहाद्वीप के इतिहास, भूगोल और संस्कृति का एक ऐसा संगम है, जिसकी लहरें अंतरराष्ट्रीय स्तर तक महसूस की जाती हैं। यदि बिहार भारत का हृदय है, तो चंपारण उसका 'प्राणतत्व' है।

भौगोलिक वैभव:

भौगोलिक दृष्टि से यह जिला अद्वितीय है। यह बिहार का एकमात्र ऐसा क्षेत्र है जहाँ हिमालय की शिवालिक श्रेणियां अपनी उपस्थिति दर्ज कराती हैं। सोमेश्वर श्रेणी की ऊँचाई से जब आप नीचे देखते हैं, तो आपको प्रकृति का वह वैभव दिखता है जो नेपाल के साथ हमारी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को साझा करता है। यहाँ स्थित वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (VTR) न केवल बिहार का गौरव है, बल्कि वैश्विक संरक्षण मानचित्र पर एक महत्वपूर्ण 'बायोडायवर्सिटी हॉटस्पॉट' है। यहाँ की मिट्टी 'दोमट' है, जिसे गंडक नदी का आशीर्वाद प्राप्त है, जो इसे कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाती है।

ऐतिहासिक गहराई:

इतिहास के पन्नों को पलटें तो चंपारण की गूँज वैश्विक स्तर पर सुनाई देती है। यह वह भूमि है जहाँ सम्राट अशोक ने अपने लौरिया नंदनगढ़ और रामपुरवा के स्तंभों के माध्यम से धम्म का संदेश दुनिया को दिया। रामपुरवा का 'बैल' आज राष्ट्रपति भवन की शोभा बढ़ा रहा है, जो इसकी अंतरराष्ट्रीय कलात्मक महत्ता को दर्शाता है।

लेकिन, इस जिले ने आधुनिक विश्व को जो सबसे बड़ा उपहार दिया, वह था— सत्याग्रह। 1917 में जब मोहनदास करमचंद गांधी यहाँ की नील की खेती (तिनकठिया पद्धति) के शोषण के विरुद्ध खड़े हुए, तो यहीं से वह 'महात्मा' बने। चंपारण का किसान आंदोलन केवल एक स्थानीय विरोध नहीं था, बल्कि इसने दक्षिण अफ्रीका के बाद गांधीवादी विचारधारा को विश्व पटल पर 'अहिंसक प्रतिरोध' के सबसे सफल मॉडल के रूप में स्थापित किया।

आर्थिक और सामाजिक ताना-बाना:

आर्थिक रूप से यह जिला 'चीनी का कटोरा' कहलाने का गौरव रखता है, जो राज्य की जीडीपी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सामाजिक रूप से यहाँ की थारू जनजाति की संस्कृति हमें प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर जीने की प्रेरणा देती है। उनका हस्तशिल्प और लोक संगीत आज अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं के लिए आकर्षण का केंद्र है।

निष्कर्ष:

पश्चिम चंपारण एक ऐसा जीवंत संग्रहालय है जहाँ हर पत्थर एक कहानी सुनाता है। प्रतियोगी परीक्षाओं की दृष्टि से इसकी भौगोलिक सीमाएं, राष्ट्रीय उद्यान और गांधीवादी इतिहास के तथ्य 'रामबाण' के समान हैं। अगले अंक में हम इस जिले की सांस्कृतिक विरासत और लोक-कलाओं के उन रहस्यों को खोलेंगे, जो अक्सर किताबों की भीड़ में कहीं खो जाते हैं।

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org